

# लक्ष्मी जी के मंत्र



मां लक्ष्मी की पूजा के दौरान इस मंत्र के द्वारा उन्हें रक्तचन्दन समर्पण करना चाहिए-

रक्तचन्दनसम्मिश्रं पारिजातसमुद्भवम् ।

मया दत्तं महालक्ष्मि चन्दनं प्रतिगृह्यताम् ॥

ॐ महालक्ष्म्यै नमः रक्तचन्दनं समर्पयामि ।

Raktchandanasammishram Paarijaatasamudbhavam ।

Mayaa Dattam Mahalakshmi Chandanam Pratigrihyataam ॥

Om Mahalakshmyai Namah Raktchandanam Samarpayaami ।

\*\*\*\*\*

मां लक्ष्मी की पूजा के दौरान इस मंत्र के द्वारा उन्हें दुर्वा समर्पण करना चाहिए-

क्षीरसागरसम्भते दूर्वा स्वीकुरु सर्वदा ॥

ॐ महालक्ष्म्यै नमः दूर्वा समर्पयामि ।

Vishnvaadisarvadevaanaam Priyaam Sarvsushobhanaam ।

Ksheersaagarasambhate Doorvaam Sveekuroo Sarvadaa ॥

Om Mahalakshmyai Namah Doorvaam Samarpayaami ।

\*\*\*\*\*

इस मंत्र के द्वारा मां लक्ष्मी को अक्षत समर्पण करना चाहिए-

अक्षताश्च सुरश्रेष्ठ कुंकुमाक्ताः सुशोभिताः ।

मया निवेदिता भक्त्या गृहाण परमेश्वरि ॥

ॐ महलक्ष्म्यै नमः । अक्षतान समर्पयामि ॥

Akshataashch Surshreshth Kunkumaaktaah Sushobhitaah ।

Mayaa Niveditaa Bhaktyaa Grihaan Parmeshvari ॥

Om Mahalakshmyai Namah । Akshtaan Samarpayaami ॥

\*\*\*\*\*

इस मंत्र के द्वारा मां लक्ष्मी को पुष्प माला समर्पण करना चाहिए-

माल्यादीनि सुगन्धीनि मालत्यादीनि वै प्रभो ।

ॐ मनसः काममाकूतिं वाचः सत्यमशीमहि ।

ॐ महालक्ष्म्यै नमः । पुष्पमालां समर्पयामि ॥

Maalyaadeeni Sugandheeni Maalatyaaadeeni Vai Prabho ।

Om Manasah Kaamamaakootim Vaachah Satyamasheemahi ।

Pashoonaam Roopmannasya Mayi Shrih Shrayataam Yashah ॥

Om Mahalakshmyai Namah । Pushpmalaam Samarpayaami ।

\*\*\*\*\*

इस मंत्र के द्वारा मां लक्ष्मी को आभूषण समर्पण करना चाहिए-

रत्नकंकणवैदूर्यमुक्ताहाअरादिकानि च ।

सुप्रसन्नेन मनसा दत्तानि स्वीकुरुष्व भोः ॥ ॐ

क्षुत्पिपासामलां ज्येष्ठामलक्ष्मीं नाशयाम्यहम् ।

अभूतिमसमृद्धि च सर्वा न

Ratnkankanavaidooryamuktaahaaaraadikani Ch ।

Suprasannen Manasaa Dattani Sveekurooshva Bhoh ॥

Om Kshutpipaasaamalaam Jyeshthaamalakshmeem Naashayaamyaham ।

Abhootimasamriddhi Ch Sarvaam Nirgud Me Grihaat ॥

Om Mahalakshmyai Namah । Aabhushan Samarpayaami ।

\*\*\*\*\*

इस मंत्र के द्वारा माता लक्ष्मी को वस्त्र समर्पण करना चाहिए-

दिव्याम्बरं नूतनं हि क्षौमं त्वतिमनोहरम् । दीयमानं मया देवि गृहाण जगदम्बिके ॥

ॐ उपैतु मां देवसुखः कीर्तिश्च मणिना सह । प्रादुर्भूतोस्मि राष्ट्रेस्मिन् कीर्तिमृद्धि ददातु मे ॥

Divyaambaram Nootanam Hi Kshaumam Tvatimanoharam ।

Deeyamaanam Mayaa Devi Grihaan Jagadambike ॥

Om Upaitu Maa Devsukhah Keertishcha Maninaa Sah ।

Praadurbhootosmi Raashtresmin Keertimriddhi Dadaatu Me ॥

Om Mahalakshmyai Namah Vastram Samarpayaami ।

\*\*\*\*\*

इस मंत्र के द्वारा मां लक्ष्मी को स्नान हेतु घी अर्पित करना चाहिए-

ॐ घृतं घृतपावानः पिबत वसां वसापावानः पिबतान्तरिक्षस्य हविरसि स्वाहा ।  
दिशः प्रदिश आदिशो विदिश उद्धिशो दिग्भ्यः स्वाहा ॥ ॐ महालक्ष्म्यै नमः घृतस्नानं  
समर्पयामि ।

Om Ghritam Ghritapaavaanah Pibat Vasaam Vasaapaavaanah Pibataantarikshasya Havirasi  
Svaahaa |

Dishah Pradish Aadisho Vidish Uddhisho Digbhyah Svaahaa ||

Om Mahalakshmyai Namah Ghritsnaanam Samarpayaami |

\*\*\*\*\*

मां लक्ष्मी की पूजा में इस मंत्र के द्वारा उन्हें जल समर्पण करना चाहिए-

मन्दाकिन्याः समानीतैर्हेमाम्भोरुहवासितैः । स्नानं कुरुष्व देवेशि सलिलैश्च सुगन्धिभिः ॥

ॐ महालक्ष्म्यै नमः स्नानं समर्पयामि ।

Mandaakinyah Samaaneetairhemaambhoruhavaasitaih |

Snaanam Kurushva Deveshi Salilaishcha Sugandhibhiih ||

Om Mahalakshmyai Namah Snaanam Samarpayaami |

\*\*\*\*\*

इस मंत्र के द्वारा मां लक्ष्मी को आसन समर्पण करना चाहिए-

तप्तकाश्चनवर्णाभं मुक्तामणिविराजितम् । अमलं कमलं दिव्यमासनं प्रतिगृह्यताम् ॥

ॐ अश्वपूर्वा रथमध्यां हस्तिनादप्रमोदिनीम् । श्रियं देवीमुपह्वये श्रीर्मा देवी जुषताम् ॥

ॐ

Taptkaashchanavanaarbham Muktaamaniviraajitam |

Amalam Kamalam Divyamaasanam Pratigrihyataam ||

Om Ashvapurvaam Rathmadhyaam Hastinaadapramodineem |

Shriyam Deveemupahvaye Shrirmaa Devei Jushataam ||

Om Mahalakshmyai Namah | Aasanam Samarpayaami |

\*\*\*\*\*

इस मंत्र के द्वारा मां लक्ष्मी का आवाहन करना चाहिए-

सर्वलोकस्य जननीं सर्वसौख्यप्रदायिनीम् ।

सर्वदेवमयीमीशां देवीमावाहयाम्यहम् ॥

ॐ तां म आवह जातवेदो लक्ष्मीमनपगामिनीम् । यस्यां हिरण्यं विन्देयं गामश्वं पुरुषानहम् ॥

Sarvlokasya Jananeem Sarvsaukhyapradaayineem |

Sarvdevmayeemeshaam Deveemaavaahayaamyaham ||

Om Taam Ma Aavah Jaatavedo Lakshmeemanapagaamineem |

Yasyaam Hiranyam Vindeyam Gaamashvam Purushaanaham ||

Om Mahalakshmyai Namah | Mahalaksheemaavaahayaami, Aavahanaarthe Pushpaani

Samarpayaami |

\*\*\*\*\*